राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

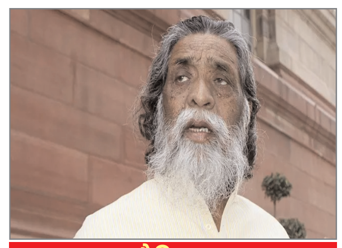

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 354, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पुलिस ने,105 ग्राम अल्प्राजोलम के साथ तस्कर गिरफ्तार किया..03

जयशंकर ने तेल सप्लाई पर किया बड़ा खेल, पाकिस्तान को फंसाया..04

बंगाल SIR पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- भारत में जन्मे शख्स को वोट का अधिकार, कटे वोट से कम हुआ जीत का अंतर तो देखेंगे...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है तो वहीं वोटर लिस्ट से जुड़े मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है. कोर्ट ने कल सोमवार को सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की कि देश में जन्मे किसी भी व्यक्ति को वोटर लिस्ट में शामिल होने और सरकार चुनने के लिए वोट देने का अधिकार है. कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राज्य की सियासत में और गर्माहट आ सकती है क्योंकि इसे ममता बनर्जी की पार्टी TMC बड़ा चुनावी हथियार बना सकती है।

CJI सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सदस्य, जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'कहीं न कहीं हम आगामी चुनावों की गहमागहमी और शोर-शराबे के बीच अंधे होते जा रहे हैं. जिस देश में आपका जन्म हुआ है, वहां वोटर लिस्ट में बने रहने और वोट देने का अधिकार न सिर्फ संवैधानिक है, बल्कि भावनात्मक भी है. ' उन्होंने यह भी कहा, 'यह राष्ट्रीयता और देशभक्ति की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति भी है कि आप एक लोकतांत्रिक सरकार चुनने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं. यह एक ऐसा विषय है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है.' जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि ओरिजलन SIR प्रक्रिया में साल 2002 की वोटर लिस्ट में शामिल लोगों की दोबारा जांच करने का कोई प्रावधान नहीं था. जज ने इस सवाल पर कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया कि क्या भारत में अवैध प्रवासियों से जन्मे बच्चों को भी, आम नागरिकों से जन्मे बच्चों की तरह, वोट देने का अधिकार दिया जाएगा. हालांकि, बेंच ने उन लोगों को वोट देने की इजाजत देने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों की ओर से वोट डालने के लिए पात्र घोषित किया गया था।

... तो हम इस केस पर पुनर्विचार करेंगे: SC

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू ने कहा कि पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया में कुछ भी असामान्य नहीं किया जा रहा है, क्योंकि वोटर्स को लिस्ट से हटाने की दर (Deletion Rate) अन्य राज्यों की वोटर लिस्ट से हटाए गए वोटर्स के प्रतिशत के आंकड़ों के लगभग बराबर ही है. इस मसले पर बहस तब शुरू हुई जब सीनियर एडवोकेट रऊफ रहीम ने यह दलील दी कि जिन लोगों को अपीलीय न्यायाधिकरणों की ओर से वोटिंग के लिए पात्र घोषित किया गया है, उन्हें वोटर लिस्ट के 'फ्रीज़' होने के बावजूद वोट देने की अनुमति दी जानी चाहिए. जस्टिस बागची ने कहा, 'हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि बंगाल इस मामले में सबसे अलग है या SIR की सामान्य प्रक्रिया का ही एक हिस्सा है. लेकिन 'तार्किक विसंगति' (Logical discrepancy) की श्रेणी अन्य राज्यों में देखने को नहीं मिली है. जांच-पड़ताल के दौरान उचित मामलों में सुनवाई की सुविधा उपलब्ध होती है, लेकिन न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच के दौरान यह सुविधा नहीं दी गई. इसका मुख्य कारण काम का अधिक बोझ और चुनावों की करीब होना रहा।

जस्टिस बागची ने कहा कि यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में 10% वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटा दिया जाता है, और वहां हार- जीत का अंतर 15% या उससे अधिक का रहता है, तो चुनाव परिणाम को सही और वैध माना जाएगा. उन्होंने यह भी कहा, 'यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में जीत का अंतर महज 2 फीसदी है और वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटाने की दर 10 फीसदी है, तो हम ऐसे मामलों पर विशेष रूप से विचार करेंगे. ' उन्होंने आगे कहा, 'अगर चुनाव आयोग के SIR पर बने मूल SOP पर गौर करें, तो 2002 की वोटर लिस्ट में शामिल लोगों का कोई सवाल ही नहीं था. लेकिन अब आपने उन मामलों की जांच की है, जिनमें फॉर्म में भरी गई पहचान 2002 की वोटर लिस्ट के नामों से मेल नहीं खाया. इसीलिए हमने अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किया और दावों, आपत्तियों और साथ में लगे दस्तावेजों की जांच के भारी-भरकम काम के लिए अपने न्यायिक अधिकारियों को लगाया।

अपीलीय फोरम को अपना काम करने दीजिए: SC

जज ने आगे कहा, 'हम इस प्रक्रिया में जल्दबाजी नहीं कर सकते. इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने एक विस्तृत अपीलीय फोरम बनाया, जो एक निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करना चाहता था, जिसका मकसद वोटर लिस्ट को बढ़ाना या घटाना नहीं था. अब तक 34 लाख से अधिक अपीलें दाखिल की जा चुकी हैं. ' इस दौरान नायडू ने कहा कि जांच के लिए पर्याप्त संख्या में हाई रैंक के अफसरों को तैनात करने में राज्य की नाकामी की वजह से देरी हुई, तो जस्टिस बागची ने कहा, 'यह राज्य और चुनाव आयोग के बीच की लड़ाई नहीं है. यह एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का खेल नहीं है. यह उन वोटर्स का सवाल है, जो संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं. आयोग के नज़रिए से, उसने अपना सबसे अच्छा प्रयास किया है. जबकि राज्य अलर्ट है. ऐसी स्थिति में, अदालत का मकसद सुविधा देने वाले का है, न कि यह तय करना कि कौन सही है और कौन गलत।

बिना आदेश अधिकारियों की सुरक्षा न हटाई जाए: SC

CJI सूर्यकांत ने यह कहते हुए बहस खत्म कर दी कि इस समय किसी भी अकादमिक कवायद की कोई जरूरत नहीं है. अपने आदेश में, बेंच ने यह भी कहा, 'हम अपीलों पर फैसला आने से पहले, शामिल किए जाने की किसी भी अर्जी पर विचार नहीं करेंगे. ट्रिब्यूनल को दाखिल की गई अपीलों पर फैसला करने दें, और हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे.' 19 अपीलीय ट्रिब्यूनल ने कल सोमवार से पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग और राज्य सरकार से यह भी कहा कि वे SIR के काम में हिस्सा लेने वाले पश्चिम बंगाल के न्यायिक अधिकारियों को राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के ज़रिए सुरक्षा देना जारी रखें. बेंच ने हिदायत देते हुए कहा, 'उनकी सुरक्षा सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बगैर नहीं हटाई जाएगी.' साथ ही यह भी कहा कि सुरक्षा खतरों का आकलन करने के बाद इसे आगे बढ़ाया भी जा सकता है।

जो लोग समाज को बांटने... दंगों को संरक्षण देने का काम करते हैं... विकास नहीं कर सकतेः मुख्यमंत्री योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण को पश्चिमी यूपी के विकास के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने सहारनपुर के गणेशपुर-मनोहरपुर में बने सभा मंच से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री के डाट काली मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद वापस सहारनपुर के सभा स्थल पर पहुंचे तो उन्होंने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, अपने दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, सहारनपुर के प्रभारी मंत्री सुनील शर्मा के साथ प्रधानमंत्री का स्क्रीन पर सजीव भाषण सुना और प्रदेश की जनता को संबोधित किया।

नौ साल के कार्यकाल में यूपी को बनाया दंगा मुक्त प्रदेश

उन्होंने अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग समाज को बांटने और दंगों को संरक्षण देने का काम करते हैं वे विकास नहीं कर सकते। योगी ने कहा कि 2017 से अभी तक के नौ साल के अपने कार्यकाल में उन्होंने यूपी को दंगा मुक्त और निवेश का सबसे पसंदीदा केंद्र बनाया है। योगी ने कहा कि आज का आयोजन दिल्ली-देहरादून इकोनामी कोरीडोर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो 12 किलोमीटर के ऐलीवेटेड वन्य जीव कोरीडोर के जरिए सहारनपुर को सीधे उत्तराखंड से जोड़ता है।

डबल इंजन की सरकार ने विकास को दी गति

उन्होंने कहा कि वेस्टर्न यूपी तेजी से विकास कर रहा है। उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है जहां सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे है। उन्होंने कहा कि नोएडा के जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शुरू हुआ है और नोएडा फिल्मसिटी जैसी परियोजनाओं से यूपी विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भाजपा महापुरूषों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि डबल इंजन सरकार की ताकत देखनी है तो सहारनपुर में हो रहे विकास को देखें। इस सरकार में उत्तर प्रदेश या उत्तराखंड में बड़े से बड़े प्रोजेक्ट लाने में अब कोई भी दिक्कत नहीं होती है।

चारधाम की यात्रा में भारी सुविधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के शुरू हो जाने से देशभर के लाखों श्रद्धालुओं को उत्तराखंड की चारधाम की यात्रा में भारी सुविधा प्राप्त होगी और उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि यूपी सुरक्षा, सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के केंद्र के रूप में बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सड़कें ही राष्ट्र का निर्माण करती हैं।

योगी आदित्यनाथ पिछले दो माह के दौरान तीसरी-चौथी बार सहारनपुर आए हैं। उन्होंने कल रात्रि विश्राम भी सहारनपुर में ही किया। सभा के बाद मुख्यमंत्री ढाई बजे हेलीकाप्टर से सरसावा हवाई अड्डे पर पहुंचे। जहां प्रशासनिक अफसरों, कमिश्नर डा, रूपेश कुमार, डीएम मनीष बंसल, राज्यमंत्री जसवंत सैनी, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत राणा, विधायक राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेंद्र कश्यप, पूर्व विधायक महिपाल माजरा, जगपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी मांगेराम, ब्लाक प्रमुख विश्वास चौधरी, डा, पवन संवई, अभिषेक त्यागी और पूर्व जिला अध्यक्ष मेलाराम पंवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और उनका सहारनपुर आगमन पर आभार जताया।

संक्षिप्त ख़बरें

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर महिला की बेरहमी से पिटाई

ललितपुर। थाना कोतवाली महरौनी के अंतर्गत ग्राम पठाविजयपुरा में एक बीमार बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। आरोपियों ने महिला के घर में घुसकर उस समय हमला किया जब वह घर पर अकेली थी। पुलिस ने इस मामले में एक ही परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पठाविजयपुरा निवासी भुवन पत्नी पप्पू अहिरवार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह ब्लड प्रेशर की मरीज हैं और हाल ही में उनका गर्भाशय का ऑपरेशन हुआ था। घटना के दिन 25 मार्च 2026 की सुबह करीब 7 बजे जब वह घर पर अकेली थीं, तभी गांव के ही दबंगों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी धनुवा, उसका पुत्र फूलसिंह, रामकुंवर और कुसुम ने घर में घुसकर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब महिला ने विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपियों ने जाते-जाते उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के समय महिला के पुत्र बाहर मजदूरी करने गए हुए थे। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

युवक से मारपीट व जान से मारने की धमकी

ललितपुर। पुलिस चौकी नेहरू नगर अंतर्गत मोहल्ला जुगपुरा मोहल्ले में एक युवक के साथ मारपीट कर धमकाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एक नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जुगपुरा निवासी राजेन्द्र ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 13 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे वह अपने मोहल्ले में मौजूद था। इसी दौरान लक्ष्मण नामक व्यक्ति ने उसके साथ बेवजह गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट कर दी, जिससे उसे शरीर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने बताया कि बीच-बचाव करने पहुंचे उसके बड़े भाई और दादा के साथ भी आरोपी ने अभद्रता करते हुए मारपीट की और कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी लक्ष्मण के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मायावती ने डॉक्टर अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि, कहा- सामंती सोच की सरकारों के कारण उद्देश्य प्राप्त नहीं कर पा रहा संविधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कहा कि 'सामंती और जातिवादी' सोच के लोगों के सत्ता में लगातार हावी रहने के कारण बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का सर्वजन हितैषी संविधान अपने उद्देश्यों को पूरी तरह प्राप्त करने में सफल नहीं हो पा रहा है।

मायावती ने अंबेडकर जयंती पर लखनऊ स्थित पार्टी के केंद्रीय शिविर कार्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सत्ता पर ''सामंतवादी सोच वाले लोगों के हावी

इस दौरान मायावती ने अपने संदेश में कहा कि देश की सत्ता पर ''सामंतवादी, जातिवादी तथा शोषणकारी सोच वाले लोगों के लगातार हावी रहने की वजह से अंबेडकर का 'सर्वजन हितैषी' और 'बहुजन कल्याणकारी' संविधान अपने पवित्र उद्देश्यों को प्राप्त करने में ठीक से सफल नहीं हो पा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस समस्या के निदान के लिये देश व राज्यों में भी अंबेडकर की 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धान्त वाली पार्टी बसपा की सरकार बनना जरूरी है।

बेमिसाल संविधान फिर भी जुल्म से मुक्त जीवन क्यों नहीं

मायावती ने कहा, ''बेमिसाल संविधान होने के बावजूद भारत अब भी विकसित देश बनकर अपने करोड़ों बहुजनों को घनघोर गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष तथा जुल्म से मुक्त जीवन क्यों नहीं दे पाया, इसका जवाब ढूंढने पर देश में अंबेडकर का सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति का कारवां चुनावी कामयाबी हासिल करके अपनी मंजिल की ओर जरूर बढ़ेगा।'' मायावती ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह अंबेडकर जयंती के दिन बहुजन समाज की सुरक्षा, सम्मान और विकास का आकलन करे तो ठीक होगा।

अंबेडकर स्मारक में लोगों ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी

उन्होंने कहा, 'जनता में हर दुख को सह लेने की शक्ति होने का यह मतलब नहीं है कि सरकारें उन्हें गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन की अंधी खाई से निकालने और उन्हें आत्म-सम्मान का जीवन देकर ऊपर उठाने और आगे बढ़ाने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को ठीक से ना निभायें।' अंबेडकर जयंती पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने राजधानी लखनऊ में गोमती नदी के तट पर स्थित 'डॉक्टर भीमराव सामाजिक परिवर्तन स्थल' पर पहुंचकर अंबेडकर स्मारक में उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बसपा के सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर मरम्मत का कार्य होने की वजह से इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग भी लखनऊ में स्थित स्मारक पर ही बाबा साहब को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने पहुंच रहे हैं।

महिला आरक्षण, परिसीमन और सीट बढ़ोतरी पर गरमाई सियासत... कल विपक्ष की बैठक, सरकार को घेरने की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण, परिसीमन और सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में तैयारी तेज कर दी है. इसे लेकर इंडिया ब्लॉक ने भी अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है. विपक्ष के नेता इन मुद्दों को लेकर बुधवार को दोपहर 3 बजे बैठक करने वाले हैं. ये बैठक खरगे के आवास पर होगी. बताया जा रहा है कि महिला आरक्षण, परिसीमन और सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में विपक्षी दलों की बैठक में ही अंतिम फैसला लिया जाएगा. 15 अप्रैल 2026 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिल्ली स्थित आवास (10 राजाजी मार्ग) पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक होगी. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विपक्षी दलों के बीच महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना और आगामी संसदीय रणनीतियों पर मंथन करना है. बैठक में महिला आरक्षण, संसद का आगामी सत्र, और सरकार को घेरने की योजना बनाई जाएगी. विपक्षी गठबंधन के विभिन्न प्रमुख दलों के नेता इस बैठक में शामिल होंगे. यह बैठक विपक्षी एकता को मजबूत करने और सरकार के सामने एक एकजुट मोर्चा पेश करने की दिशा में अगला कदम है. इसी बीच अब विपक्षी दलों ने एक नया मुद्दा छेड़ दिया है. विपक्ष का कहना है कि 14 अप्रैल हो गयी और सरकार ने अब जाकर सांसदों को बिल का आधिकारिक मसौदा दिया है. ऐसे में इतने कम वक्त में सांसद चर्चा के लिए तैयारी कैसे करेंगे. विपक्ष का कहना है कि वो लोकतंत्र को रबर स्टाम्प बनाना चाहते हैं. पीएम समेत सरकार ने सिर्फ तमिलनाडु और बंगाल चुनाव में महिलाओं के वोट पाने के लिए शायद ये शिगूफा छोड़ा है।

विपक्ष का सरकार पर आरोप

दरअसल, केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल से 18 अप्रैल के बीच संसद सत्र बुलाया है. इसी सत्र में महिला आरक्षण बिल को लागू करवाने की कोशिश की जाएगी. विपक्षी दलों का आरोप है कि पीएम समेत सरकार ने सिर्फ तमिलनाडु और बंगाल चुनाव में महिलाओं के वोट पाने के लिए शायद ये शिगूफा छोड़ा है. सरकार की मंशा ऊर्जा संकट से ध्यान भटकाकर महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन और समानुपातिक तरीके से सीटों में बढोत्तरी की है, जिससे दक्षिण भारत, उत्तर पूर्व और उत्तर भारत के बीच खाई पैदा होगी. ये देश की एकता और अखंडता के लिए ठीक नहीं है।

सीट बढोत्तरी के फार्मूले से विपक्ष असहमत

सरकार के समानुपातिक सीट बढोत्तरी के फार्मूले से विपक्ष ने असहमति जताई है. विपक्ष ने इसे लेकर कुछ उदाहरण भी दिए हैं. विपक्ष का कहना है कि तेलंगाना में लोकसभा की 17 सीटें हैं, वहीं एमपी में 29 लोकसभा सीटें हैं यानी 12 का फर्क. फॉर्मूला लागू होने पर तेलंगाना की ज्यादा से ज्यादा 26 सीटें हो पाएंगी, तो वहीं एमपी की 44 यानी अंतर बढ़कर 18 का हो जाएगा. कुछ यूं ही तमिलनाडु-पुडुचेरी की मिलाकर

लोकसभा में 40 सीटें हैं, जबकि यूपी की 80 यानी 40 का अंतर. फॉर्मूले के तहत तमिलनाडु-पुडुचेरी की 40 से 60 होंगीं तो यूपी की 80 से 120 यानी अंतर बढ़कर 60 का हो जाएगा. इसी तरह 42 सीटों वाले बंगाल की यूपी के साथ भी तुलना की जा सकती है. केरलम में लोकसभा की 20 और बिहार में 40 सीटें हैं यानी 20 का अंतर. फॉर्मूले के तहत केरलम में 20 से बढ़कर 30 सीटें होंगी, तो बिहार में 40 से 60 यानी अंतर बढ़कर 30 का हो जाएगा।

ओबीसी महिलाओं का हक छीनना चाहती है सरकारः विपक्ष

विपक्ष का कहना है कि साथ ही वो ओबीसी महिलाओं का हक भी छीनना चाहती है. इसीलिए वो 2011 के परिसीमन को आधार बना रही है. आखिर क्यों वो जातिगत जनगणना कराकर 2027 के आंकड़ों को आधार नहीं बनाना चाहती. इस तरह भी तो 2029 से महिला आरक्षण लागू हो सकता है. विपक्ष के मुताबिक, महिला आरक्षण बिल तो 2023 में पास हो चुका है. तब हमने इसका समर्थन करते हुए 2024 से लागू करने की मांग की थी. लेकिन उस समय सरकार ने जनगणना और परिसीमन को इसमें जोड़ दिया. अब 30 महीने में ऐसा क्या हुआ कि, मोदी सरकार अपने ही पास किये कानून में अचानक बदलाव चाहते हैं. विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि, 29 अप्रैल को बंगाल में मतदान के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाकर व्यापक चर्चा करके फैसला किया जाए, लेकिन सरकार चुनाव के बीच सत्र बुलाने पर आमादा है और सर्वदलीय बैठक बुलाने को तैयार नहीं है।

लोकसभा में अंकगणित

संविधान संशोधन पास कराने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत चाहिए जो विपक्ष में बड़ी टूट के बिना सम्भव नहीं है. सत्ता पक्ष- 293 विपक्ष- 240 अन्य- 11 रिक्त- 01 दो तिहाई आंकड़ा- 364

सरकार को विपक्ष में फूट की उम्मीद

ऐसे में सरकार विपक्षी फूट की भी उम्मीद लगाए है. आज इसकी बानगी भी देखने को मिली जब राहुल गांधी ने बंगाल में रैली के दौरान बीजेपी के साथ ही ममता बनर्जी सरकार पर भी हमला बोला जिससे टीएमसी का पारा चढ़ना तय है, वो भी कल होंने वाली विपक्षी दलों की बैठक से ठीक पहले. ऐसे में इस बैठक में टीएमसी शामिल होगी या नहीं अब अधर में है. हालांकि, कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक चुनावी मजबूरी के चलते टीएमसी इस मुद्दे पर भले हमारे साथ बैठक में न शामिल हो, लेकिन वो सरकार के खिलाफ है ये साफ कर चुकी है. इसलिए सरकार विपक्ष की आवाज नहीं दबा सकती।

बेसहारा पशुओं से फसलों को बचाने के लिए कराएं तारबंदी, सरकारी देगी 50 प्रतिशत सब्सिडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या। बेसहारा पशुओं और जंगली जानवरों से फसलों की तबाही झेल रहे किसानों के लिए राहतभरी खबर है। उद्यान विभाग की फेंसिंग योजना अब किसानों की ढाल बनेगी। योजना के तहत किसान अपने खेतों की 1000 मीटर तक तीन लेयर में मजबूत तारबंदी करा सकेंगे, जिस पर 50 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। उद्यान निरीक्षक यशवंत पटेल ने बताया कि योजना को लेकर किसानों में खासा उत्साह है। अब तक 250 किसानों ने लगभग 100 हेक्टेयर क्षेत्र में एक लाख रनिंग मीटर तार फेंसिंग के लिए आवेदन किया है, जबकि शासन स्तर से

8400 रनिंग मीटर तार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 1000 मीटर फेंसिंग पर लगभग तीन लाख रुपये का खर्च आएगा। इसमें से 1.50 लाख रुपये (50 प्रतिशत) का अनुदान प्रत्येक पात्र किसान को दिया जाएगा। फेंसिंग तीन लेयर में करानी होगी और हर 10 मीटर की दूरी पर लोहे के खंभे लगाना अनिवार्य रहेगा, ताकि तारबंदी मजबूत और टिकाऊ रहे।

योजना के तहत किसानों को पहले फेंसिंग कार्य पूर्ण कर बिल-वाउचर विभाग में प्रस्तुत करना होगा। स्थलीय सत्यापन के बाद अनुदान की राशि जारी की जाएगी। अधिक आवेदन होने की स्थिति में बागवानी मिशन योजना से जुड़े लाभार्थियों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। रुदौली क्षेत्र के किसान पतिराखन रावत, बख्शीश आलम, रामलोचन वर्मा, मो. नाजिम, रामपाल कसौंधन, असगर अली, मो. जावेद, हरवंश वर्मा सहित अन्य का मानना है कि योजना से फसलों को नुकसान से बचाया जा सकेगा और उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। लंबे समय से फसल सुरक्षा की मांग कर रहे किसानों के लिए यह योजना बड़ी राहत साबित होगी।

चोपन पुलिस की प्रभावी एवं त्वरित कार्यवाही, साइबर ठगी के रुपये पीड़ित को कराए वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन / सोनभद्र -स्थानीय थाना क्षेत्र निवासी गुड्डू कुमार के साथ दिनांक 14/08/2025 को कोटा थाना चोपन से अपने घर जाते समय रास्ते में अज्ञात व्यक्ति द्वारा डरा धमकाकर आवेदक से फोन पे के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी की घटना कारित की ,जिसके फलस्वरूप आवेदक के बैंक खाते से 15,000/- (पन्द्रह हजार रुपये) की धनराशि फ्राड कर ली गयी थी ।उक्त घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा साइबर क्राइम पुलिस पोर्टल पर शिकायत पंजीकृत कराई गई । पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क द्वारा प्रकरण की गहन जांच की गई। जांच के दौरान साइबर टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध ट्रांजेक्शनों का ट्रेस किया गया तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर आवश्यक ई-मेल/नोडल पत्राचार किया गया। तत्पश्चात धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराते हुए नियमानुसार रिवर्सल की कार्यवाही संपादित कराई गई। उक्त प्रभावी समन्वित कार्यवाही के फलस्वरूप आवेदक की फ्रॉड हुई संपूर्ण धनराशि ?15,000 /- (पन्द्रह हजार रुपये) सफलतापूर्वक रिकवर कर उसके मूल बैंक खाते में वापस कराई गई ।

साइबर टीम मे मुख्य रूप से प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा, थाना चोपन, सोनभद्र, म0का0 प्राची शुक्ला, साइबर हेल्प डेस्क , म0का0 शैलजा सिंह शामिल रहे। साइबर जागरूकता (एपीके फाइल से बचाव हेतु विशेष सुझाव-किसी भी ऐप द्वारा मांगी जा रही अनावश्यक परमिशन (स्स्स्, कॉल, स्क्रीन एक्सेस आदि) को सावधानीपूर्वक अस्वीकार करें, बैंकिंग/वित्तीय ऐप्स का उपयोग करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें तथा किसी अन्य संदिग्ध ऐप के साथ इन्हें उपयोग न करें, किसी भी व्यक्ति को ओटीपी, पासवर्ड, पिन अथवा बैंकिंग जानकारी साझा न करें, मोबाइल में एंटीवायरस/सिक्योरिटी अपडेट नियमित रूप से करते रहें, संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल इंटरनेट बंद कर संबंधित बैंक एवं साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें एवं www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

धोखा और नाकामी का मसौदा रही इस्लामाबाद वार्ता

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते।

आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी 'रेड लाइन' बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु

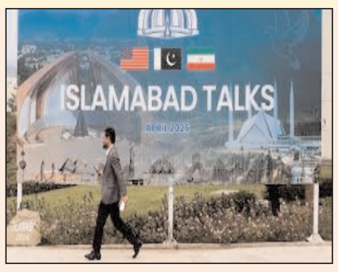

कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरु किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

मनोज कुमार अग्रवाल

शांति वार्ता तार-तार, राष्ट्र प्रमुखों की जिद्द और आसन्न परमाणु युद्ध

वैश्विक महा-अशांति की आशंका।

अमेरिका, इजरायल और। ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने पर वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहाँ तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वार्ताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर,आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वसनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वतः ही संदिग्ध हो जाता है।

अमेरिका और इज़रायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही

अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इज़रायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी ना मुमकिन सा होता दिखाई देता है।

यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल उत्पादक क्षेत्र होने के कारण पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे महंगाई वैश्विक स्तर पर बेकाबू हो जाएगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, जहाँ पहले से ही आम जनता महंगाई के दबाव से जूझ रही है।

महंगाई का सीधा असर आम जीवन पर पड़ता है।खाद्य पदार्थ, ईंधन, परिवहन, दवाइयाँ सभी की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इससे निम्न और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होगा ह। रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं, और आर्थिक असमानता बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी परमाणु युद्ध के दुष्परिणाम अत्यंत भयावह होंगे। परमाणु विस्फोट से निकलने वाला विकिरण न केवल तत्काल जनहानि करता है, बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियों को जन्म देता है। कैंसर, जन्मजात विकृतियाँ, मानसिक रोग ये सब ऐसे प्रभाव हैं जो दशकों तक मानवता को झेलने पड़ते हैं। पर्यावरण पर इसका असर भी विनाशकारी होता है,जल, वायु और मिट्टी सभी प्रदूषित हो जाते हैं, जिससे कृषि उत्पादन ठप हो सकता है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, एक परमाणु युद्ध 'न्यूक्लियर विंटर' जैसी स्थिति भी पैदा कर सकता है, जिसमें धूल और धुएँ के कारण सूर्य का प्रकाश धरती तक नहीं पहुँच पाता, जिससे वैश्विक तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। इसका परिणाम व्यापक अकाल और पारिस्थितिक असंतुलन के रूप में सामने आएगा।

वर्तमान स्थिति में सबसे अधिक आवश्यकता संयम, संवाद और विवेकपूर्ण नेतृत्व की है। विश्व शक्तियों को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं की शुरुआत है। कूटनीति की मेज पर बैठकर मतभेदों को सुलझाना ही एकमात्र स्थायी मार्ग है।

अंततः, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज मानवता एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है, जहाँ एक ओर शांति, सहयोग और विकास का मार्ग है, तो दूसरी ओर विनाश, अराजकता और अंधकार का। निर्णय विश्व नेताओं के हाथ में है, परंतु परिणाम पूरी मानवता को भुगतना होगा। इसलिए यह आवश्यक है कि शांति को प्राथमिकता दी जाए और विश्व को एक और महायुद्ध की विभीषिका से बचाया जाए।

संजीव ठाकुर

जनसेवा की नई मिसाल देता नेपाल का युवा मंत्रिमंडल !

नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया जब 27 मार्च 2026 को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेतृत्व में बालेन शाह (बलेंद्र शाह) ने 36 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 15 सदस्यीय कैबिनेट का गठन किया। यह मंत्रिमंडल न सिर्फ नेपाल का सबसे युवा कैबिनेट है, बल्कि दक्षिण एशिया में अपनी उच्च शैक्षणिक योग्यता के लिए वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन रहा है। इस मंत्रिमंडल के सदस्यों की औसत आयु मात्र 38.21 वर्ष है, दस मंत्री 40 वर्ष से कम उम्र के, पांच महिला मंत्री और 80 प्रतिशत से अधिक सदस्यों के पास स्नातकोत्तर या डॉक्टरेट की डिग्री। यह आंकड़े नेपाल की राजनीति के पारंपरिक चेहरे को पूरी तरह बदल रहे हैं।

यह कैबिनेट 'जेन-ज़ी आंदोलन' के परिणामस्वरूप सत्ता में आई है। भ्रष्टाचार, पुरानी पार्टियों की नाकामी और युवाओं की मांगों को लेकर हुए आंदोलन ने आरएसपी को भारी बहुमत दिलाया। अब यह युवा टीम न सिर्फ नेपाल में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में 'दुनिया का सबसे युवा कैबिनेट' और 'सबसे शिक्षित मंत्रिमंडल' के रूप में प्रसिद्ध हो रही है। कई भारतीय अखबारों ने इसे 'जनरेशनल शिफ्ट' करार दिया है। विश्व स्तर पर इसकी सराहना हो रही है क्योंकि यह पारंपरिक राजनीति से हटकर योग्यता, तकनीकी विशेषज्ञता और समावेशिता पर आधारित है। यह दक्षिण एशिया का चमकता उदाहरण है, जहां भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के कैबिनेट अक्सर वरिष्ठ नेताओं पर निर्भर रहते हैं।

इस कैबिनेट की सबसे बड़ी ताकत इसकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। प्रधानमंत्री बालेन शाह स्वयं सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक (पूर्वांचल विश्वविद्यालय) और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एम.टेक (निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, भारत) हैं। वे काठमांडू के पूर्व मेयर और लोकप्रिय रैपर भी हैं। उनकी टीम में दो डॉक्टरेटधारक और दस स्नातकोत्तर सदस्य हैं।वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले (41 वर्ष, कैबिनेट के सबसे वरिष्ठ) अर्थशास्त्र में पीएचडी (ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी), हार्वर्ड से एमपीए/आईडी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातक हैं। वे पूर्व में यूएनडीपी के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक सलाहकार और नेपाल की राष्ट्रीय योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनकी विशेषज्ञता आर्थिक सुधार, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास में है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल (47 वर्ष) अमेरिका के विस्कॉन्सिन-मैडिसन से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर्स और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिजपोर्ट से पॉलिटिकल इकोनॉमी में स्नातक हैं। वे 'टीच फॉर नेपाल' के सह-संस्थापक हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुधार का प्रमुख अभियान है। शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्री सस्मित पोखरेल (29 वर्ष) कैबिनेट के सबसे युवा सदस्य हैं। वे काठमांडू विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट एवं कानून में स्नातक हैं और पॉलिसी, गवर्नेंस एवं भ्रष्टाचार-निरोध पर मास्टर्स कर रहे हैं। वे बालेन के मेयर काल में शहरी नियोजन सलाहकार रह चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता (38 वर्ष) भारत के ग्वालियर से नर्सिंग में मास्टर्स और दिल्ली के एम्स से प्रशिक्षित हैं। सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतिभा रावल (32 वर्ष) एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म (चेन्नई) से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा रखती हैं। श्रम मंत्री दीपक कुमार साह (34 वर्ष) लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन से पीएचडी स्कॉलर, एलएसई से हेल्थ पॉलिसी में मास्टर्स और आईओएम से पब्लिक हेल्थ में मास्टर्स रखते हैं। महिला, बाल-बालिका एवं ज्येष्ठ नागरिक मंत्री सीता बादी (30 वर्ष) राजनीति विज्ञान में मास्टर्स हैं और बादी समुदाय की प्रतिनिधि के रूप में समावेशिता का प्रतीक हैं। कानून मंत्री सोबिता गौतम (30 वर्ष) राष्ट्रीय विधि महाविद्यालय से बीए एलएलबी हैं और संसदीय समितियों में सक्रिय रहीं हैं। भौतिक पूर्वाधार मंत्री सुनील लाम्सल (35 वर्ष) भी भारत से एम.टेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) हैं। गौरतलब है कि ये योग्यताएं महज डिग्रियां नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव से जुड़ी हैं। यूएनडीपी, टीच फॉर नेपाल, आपदा राहत संगठन 'हामी नेपाल' और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इन सभी की अहम भूमिका रही है। पांच महिला मंत्रियों का प्रतिनिधित्व और अल्पसंख्यक समुदायों की भागीदारी (जैसे सीता बादी) समावेशिता को मजबूत करती है। देखा जाए तो नेपाल का यह कैबिनेट अपने पड़ोसियों से अलग दिखता है। भारत के वर्तमान केंद्रीय मंत्रिमंडल में 71 सदस्य हैं, जिसमें 57 सदस्य स्नातक या उससे ऊपर हैं, लेकिन 11 सदस्य मात्र 12वीं पास हैं। कई मंत्री राजनीतिक अनुभव पर निर्भर हैं, जबकि युवा चेहरे कम हैं। वहीं चीन का मंत्रिमंडल अत्यधिक शिक्षित तकनीकी विशेषज्ञों (इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र) से भरा है, लेकिन उनकी औसत आयु 55-60 वर्ष के आसपास है और निर्णय प्रक्रिया केंद्रीकृत पार्टी संरचना पर आधारित है। बांग्लादेश के हालिया कैबिनेट में 46/50 सदस्य उच्च शिक्षा वाले हैं (तीन पीएचडी), लेकिन वहां भी वरिष्ठता और राजनीतिक वफादारी प्रमुख है। नेपाल का कैबिनेट इन सभी से युवा, अधिक समावेशी और योग्यता-आधारित है। भारत और चीन की तुलना में यहां भ्रष्टाचार-विरोधी 'डिलीवरी बेस्ड गवर्नेंस' पर जोर है, जो पड़ोसियों में अक्सर कम देखा जाता है। हालांकि,कुछ विश्लेषक चेताते हैं कि इस मंत्रिमंडल के पास अनुभव की कमी एक चुनौती है। भारत की तरह बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था या चीन की तरह दीर्घकालिक नियोजन यहां अभी संभव नहीं, लेकिन पारदर्शिता और तेज निर्णय लेने की क्षमता नेपाल को लाभ दे सकती है। केवल दो सप्ताह पुरानी यह सरकार पहले ही '100 सूत्री शासन सुधार एजेंडा' लागू कर चुकी है। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्रालयों का पुनर्गठन, दक्षिण एशिया संघर्ष के प्रभाव से नेपाली प्रवासियों की सुरक्षा, 'कार्की आयोग' रिपोर्ट पर कार्रवाई और संविधान संशोधन पर चर्चा पत्र तैयार करने जैसे कदम उठाए गए। शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने पार्टी-आधारित छात्र संगठनों को समाप्त करने और स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने निजी अस्पतालों में 10 प्रतिशत मुफ्त बेड सुनिश्चित करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले आर्थिक स्थिरता, पर्यटन विकास और बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे रहे हैं। श्रम और स्वास्थ्य मंत्रियों की स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञता गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन में मदद करेगी। विदेश मंत्री शिशिर खनाल की पॉलिसी विशेषज्ञता नेपाल की कूटनीति को मजबूत करेगी।युवा बेरोजगारी घटाने, शिक्षा गुणवत्ता सुधारने, स्वास्थ्य पहुंच बढ़ाने और भ्रष्टाचार रोकने के प्रयास पहले ही दिख रहे हैं। दैनिक प्रगति निगरानी प्रणाली लागू कर सरकार जवाबदेही सुनिश्चित कर रही है। हालांकि, चुनौतियां यहां भी हैं, जैसे कि पहाड़ी इलाकों में पहुंच, संसाधन सीमाएं और पुरानी पार्टियों का विरोध। फिर भी, यह कैबिनेट जनता की उम्मीदें पूरी करने की राह पर है। कुल मिलाकर देखा जाए तो नेपाल का यह 'जेन-ज़ी' कैबिनेट न सिर्फ दक्षिण एशिया के लिए मिसाल है, बल्कि विकासशील देशों को सिखाता है कि योग्यता और युवा ऊर्जा राजनीति को बदल सकती है। यदि यह टीम अपने100 सूत्री एजेंडा को ईमानदारी से लागू कर पाई, तो नेपाल आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय और सुशासन का नया मॉडल बन सकता है।

डा.अंबेडकर का महिला अधिकारों के लिए समर्पण

संसद से लेकर समाज तक आज महिला अधिकारों और सशक्तिकरण की चर्चा जोरों पर है। क्या हम जानते हैं कि इसकी वैचारिक और विधायी नींव स्वतंत्र भारत के शुरुआती वर्षों में ही डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रख दी गई थी। डॉ. अंबेडकर स्वतंत्र भारत के उन विरले और दूरदर्शी राजनेताओं में अग्रणी थे, जिन्होंने महिलाओं की समानता को केवल एक सामाजिक सुधार का विषय न मानकर इसे राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त के रूप में देखा। उनका सुस्पष्ट मत था कि किसी भी समुदाय की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। इसी दृष्टि के साथ उन्होंने न केवल सैद्धांतिक विमर्श किया, बल्कि विधायी और नीतिगत धरातल पर भी महिलाओं के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठाए और सतत् प्रयास किए।

भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान डॉ. अंबेडकर ने यह सुनिश्चित किया कि महिलाओं को पुरुष के समान नागरिक अधिकार प्राप्त हों। अनुच्छेद 14 और 15 के माध्यम से कानून के समक्ष समानता और लिंग आधारित भेदभाव के विरुद्ध सुरक्षा जैसे प्रावधान ऐतिहासिक मील के पत्थर साबित हुए। अंबेडकर का सबसे क्रांतिकारी और साहसिक प्रयास 'हिंदू कोड बिल' के रूप में सामने आया, जिसके माध्यम से उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समानता तथा उत्तराधिकार के न्यायसंगत प्रावधान देने की पुरजोर वकालत की। उस दौर में इस विधेयक का रूढ़िवादी वर्गों द्वारा इतना तीव्र विरोध हुआ कि अंबेडकर ने अपने सिद्धांतों की रक्षा हेतु कानून मंत्री के पद से त्यागपत्र देना बेहतर समझा। हालांकि, कालांतर में इसी बिल के विभिन्न अंशों ने उन कानूनों का रूप लिया, जो आज भारतीय नारी के सम्मान और अधिकारों की आधारशिला बने हुए हैं।

विधिक समानता के साथ-साथ डॉ. अंबेडकर ने श्रमिक महिलाओं के जीवन में भी गरिमापूर्ण परिवर्तन लाने की पहल की। उन्होंने मातृत्व लाभ, कार्य के निश्चित घंटे और खदानों व कारखानों में कार्यरत महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे प्रावधानों को श्रम कानूनों का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना था कि आर्थिक सशक्तिकरण के बिना सामाजिक स्वतंत्रता अधूरी है।

वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी और उनके सहयोगी दलों की केंद्र सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना उसी लंबी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है, जिसकी परिकल्पना दशकों पहले अंबेडकर ने की थी। हालांकि, इस कानून के क्रियान्वयन को आगामी जनगणना और परिसीमन से जोड़ने के कारण इसकी समय-सीमा को लेकर राजनीतिक गलियारों में बहस जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कानूनी ढांचा तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा अपितु इसके लिए सभी राजनीतिक दलों की वास्तविक इच्छाशक्ति और सामाजिक मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन भी अपरिहार्य है। डॉ. अंबेडकर का संघर्ष आज भी हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक प्रगति केवल नीतियों के निर्माण से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और समाज की व्यापक स्वीकार्यता से ही संभव होगी।

डा. मनमोहन प्रकाश

बाल तस्करी पर कठोरतम कानून की आवश्यकताः मासूम बचपन की सुरक्षा के लिए आजीवन कारावास तक का प्रावधान अनिवार्य

देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार सामने आ रही बाल तस्करी की घटनाएँ समाज और व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चेतावनी बन चुकी हैं। हाल ही में पटना-पुणे एक्सप्रेस से बिहार के अररिया जिले के 163 बच्चों को महाराष्ट्र के लातूर ले जाए जाने के दौरान कटनी रेलवे स्टेशन पर उतारा जाना इसी चिंता का एक बड़ा उदाहरण है। इन बच्चों को लेकर जा रहे आठ लोगों के विरुद्ध मानव तस्करी का मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की गई है। आरोपितों का दावा था कि वे बच्चों को उनके अभिभावकों की सहमति से मदरसों में शिक्षा के लिए ले जा रहे थे, किंतु जिस प्रकार इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को एक साथ दूरस्थ स्थानों पर ले जाया जा रहा था, उसने प्रशासन को संदेह करने के लिए विवश कर दिया। यह घटना केवल एक मामला नहीं है, बल्कि उस गहरी समस्या का संकेत है, जो देश के कई हिस्सों में वर्षों से पनप रही है।

बाल तस्करी केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध घोर अन्याय है। इसमें मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर ले जाकर उन्हें शिक्षा, रोजगार या बेहतर जीवन के नाम पर धोखे से फंसाया जाता है और फिर उन्हें शोषण, बंधुआ मजदूरी, यौन उत्पीड़न या अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है। यह समस्या विशेष रूप से गरीब और पिछड़े क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलती है, जहाँ आर्थिक तंगी और जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर तस्कर आसानी से अपने जाल में बच्चों को फंसा लेते हैं।

पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति बेहद चिंताजनक दिखाई देती है। वर्ष 2021 में देशभर में बाल तस्करी के लगभग 2200 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर करीब 2500 के आसपास पहुँच गई। वर्ष 2023 में भी यह आंकड़ा लगभग 2400 मामलों के आसपास रहा, जबकि वर्ष 2024 में इसमें फिर वृद्धि दर्ज की गई और लगभग 2600 मामले सामने आए। वर्ष 2025 में यह संख्या 2800 के करीब पहुँच गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि तमाम प्रयासों के बावजूद बाल तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाया है। इन वर्षों में कई बड़े मामले भी सामने आए हैं, जिन्होंने पूरे देश को झकझोर दिया। पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में बच्चों को पड़ोसी देशों में तस्करी कर ले जाने के कई मामले सामने आए। बिहार और झारखंड से बच्चों को दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों में घरेलू काम या फैक्टरियों में काम दिलाने के नाम पर ले जाकर शोषण किया गया। राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में बच्चों को भीख मंगवाने और अवैध कार्यों में लगाने के मामले उजागर हुए। तमिलनाडु और कर्नाटक में ईंट भट्टों और उद्योगों में बाल मजदूरी के लिए बच्चों को दूर-दराज के राज्यों से लाए जाने की घटनाएँ सामने आईं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी कई बार ऐसे गिरोह पकड़े गए, जो बच्चों को अपहरण कर उन्हें अवैध गतिविधियों में धकेलते थे।

इन सभी घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि बाल तस्करी का नेटवर्क बहुत व्यापक और संगठित है। यह केवल एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैला हुआ है। इसमें कई स्तरों पर लोग शामिल होते हैं, जो बच्चों को ढूंढने, उन्हें बहलाने, परिवहन करने और फिर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बेचने का काम करते हैं। इस पूरे नेटवर्क को तोड़ना तभी संभव है, जब कानून अत्यंत कठोर हो और उसका सख्ती से पालन किया जाए।

वर्तमान में बाल तस्करी के विरुद्ध कानून मौजूद हैं, किंतु उनकी सजा और कार्यान्वयन की प्रक्रिया इतनी प्रभावी नहीं है कि अपराधियों में भय उत्पन्न हो सके। कई मामलों में दोषियों को लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया का लाभ मिल जाता है और सजा भी अपेक्षाकृत कम होती है। यही कारण है कि ऐसे अपराधी बार-बार इस तरह के अपराध करने का साहस जुटा लेते हैं।

इस स्थिति को देखते हुए अब समय आ गया है कि बाल तस्करी के विरुद्ध अत्यंत कठोर और स्पष्ट कानून बनाया जाए। ऐसे कानून में यह प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति बाल तस्करी में दोषी पाया जाता है, तो उसे आजीवन कारावास की सजा दी जाए। साथ ही, ऐसे अपराधों को गैर-जमानती और गंभीर श्रेणी में रखा जाए, ताकि आरोपितों को आसानी से जमानत न मिल सके। इसके अतिरिक्त, ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालयों का गठन किया जाना चाहिए, ताकि मामलों का त्वरित निपटारा हो सके और पीड़ित बच्चों को शीघ्र न्याय मिल सके। केवल कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक तंत्र को भी मजबूत करना होगा। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए। पुलिस और बाल संरक्षण एजेंसियों को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करना भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे ऐसे संदिग्ध मामलों की जानकारी तुरंत प्रशासन को दे सकें।

शिक्षा और सामाजिक जागरूकता भी इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि अभिभावकों को यह समझाया जाए कि वे अपने बच्चों को अजनबियों के साथ न भेजें और किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच करें, तो कई मामलों को रोका जा सकता है। स्कूलों और पंचायत स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, जिससे लोग इस अपराध की गंभीरता को समझ सकें। कटनी रेलवे स्टेशन पर पकड़े गए 163 बच्चों का मामला यह दर्शाता है कि यदि प्रशासन सतर्क हो, तो बड़े हादसों को रोका जा सकता है। इन बच्चों को समय रहते बचा लिया गया, जो एक सकारात्मक पहलू है, किंतु यह भी जरूरी है कि इस घटना से सबक लेकर भविष्य में ऐसी घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। अंततः यह समझना होगा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति होते हैं। उनका बचपन सुरक्षित और संरक्षित रहना ही एक विकसित और संवेदनशील समाज की पहचान है। यदि हम अपने बच्चों को तस्करों के हाथों में जाने से नहीं रोक पाए, तो यह केवल कानून और व्यवस्था की विफलता नहीं होगी, बल्कि समाज के रूप में हमारी असफलता भी मानी जाएगी। इसलिए अब समय आ गया है कि बाल तस्करी के विरुद्ध जीरो सहनशीलता की नीति अपनाई जाए और ऐसे अपराधियों के लिए आजीवन कारावास जैसी कठोर सजा का प्रावधान कर उन्हें समाज से हमेशा के लिए अलग कर दिया जाए। तभी हम अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

प्रसाद हॉस्पिटल में उपचार के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने जमकर किया हंगामा

अधिवक्ता की तहरीर पर जांच में जुटी बंथरा पुलिस

लखनऊ। बन्थरा क्षेत्र के जुनाबगंज में स्थित प्रसाद हास्पिटल में उस समय हंगामा मच गया, जब इलाज के लिए आयी महिला की सुबह उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। मृत्यु की सूचना मिलने पर परिजन व रिश्तेदार अस्पताल पहुँचकर अस्पताल के स्टाफ व डाक्टरों पर ही महिला की मृत्यु का आरोप लगा कर हंगामा करने लगे। जिससे अस्पताल में अफरातफरी का माहौल बन गया। जबरौली, मोहनलाल गंज निवासी अधिवक्ता नीरज तिवारी द्वारा प्रभारी निरीक्षक, बन्थरा को दी गयी तहरीर के अनुसार रविवार को लगभग 4.00 बजे सांय किशुनपुर कौड़िया निवासी सीता दीक्षित पत्नी अक्षय दीक्षित को जुनाबगंज, बन्थरा स्थित प्रसाद अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया था,जिसका इलाज चल रहा था । पीड़ित की बीमार बहन ने रात्रि में फोन पर बात भी की थी तत्समय व स्वस्थ थी, परन्तु सुबह 5.30 बजे संदिग्ध परिस्थियों महिला की मृत्यु हो जाना पहली बना हुआ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

रायबरेली। गुरबक्श गंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बांदा बहराइच मार्ग पर स्थित ताला गांव की बाजार के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमित (25 वर्ष) पुत्र देशराज, निवासी मधुतपुर, अपने रिश्तेदार के यहां ठकुराइन खेड़ा गांव आए हुए थे। सोमवार पाँच बजे के करीब वह वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बछरावां की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हादसे के समय अमित ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतुवा टप्पा भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला चिकित्सालय रायबरेली रेफर कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार कार चालक की तलाश की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की बैठक सम्पन्न

रायबरेली, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान प्रथम चरण की प्रथम साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के दृष्टिगत कृषि, पशुपालन, नगरीय निकाय, पंचायती राज सहित संबंधित विभागों को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वयता बना कर अपने विभागीय कार्यो एवं उत्तरदायित्वों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पादित करने के निर्देश दिये। उन्होंने संचारी रोगों से बचाव हेतु नगर विकास विभाग को साफ सफाई, नालियों की सफाई, अपशिष्ट जल निकासी, फॉगिंग कराते रहने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों को संचारी रोगों के फैलने के कारणों एवं उनके बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाए।

सूचना

मैनें अपने पुत्र हरि ओम के गलत चाल-चलन, आचरण व दुर्व्यवहार से आजिज होकर इन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए समस्त प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है, अब इनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन-देन की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होवेगी।

ओम प्रकाश पुत्र धनीराम
निवासी- ग्राम कोलवा माजरा मझेरिया कला,
थाना एफ 84, जिला उन्नाव।

जनहित व्यापार मण्डल की शिकायतों पर एनएचआई व पीएनसी ने किया निरीक्षण

● क्षेत्रीय हनुमान के पुनः निर्माण और अवरुद्ध मार्ग शीघ्र खुलवाने का दिलाया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मण्डल के नेतृत्व में चिल्लावॉ में रास्ता अवरूद्ध होने तथा बंथरा में मन्दिर क्षतिग्रस्त की शिकायत पर एनएचआई व पीएनसी ने सोमवार को निरीक्षण कर हकीकत को परखा।

उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को एयरपोर्ट चिल्लावॉ बाजार के रास्ते व बंथरा बाजार में पीएनसी द्वारा नेशनल हाइवे को चौडा करने के दौरान तोडे गये मन्दिर को पुनः निर्माण न कराने पर स्थानीय व्यापारी व क्षेत्र वासियों द्वारा समस्या का समाधान कराने के आग्रह पर एनएचआई पीडी द्वारा वार्ता करने के उपरान्त एनएचआई व पीएनसी अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। चिल्लावॉ बाजार एयरपोर्ट पर पुलिस द्वारा कट बन्द करने पर लगभग 25000 जनता का आवागमन पूरी तरीके से अवरूद्ध हो गया है। उक्त शिकायत पर पूर्वान्ह करीब 11 बजे एनएचआई व पीएनसी के अधिकारियों के साथ जनहित व्यापार मण्डल एयरपोर्ट अध्यक्ष पवन तिवारी, महामंत्री बृजेन्द्र शर्मा, स्थानीय दुकानदार राकेश अग्रवाल, राजेश यादव, सरोज सोनी, रमेश यादव, सोनू चौरसिया, के साथ मौके का निरीक्षण किया और समस्या का शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। उधर बंथरा बाजार के श्रीसंकट मोचन हनुमान मन्दिर (बालाजी दरबार) पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त पाया गया। निरीक्षण के दौरान एनएचआई के इन्जीनियर शरद गुप्ता तथा पीएनसी के अंकुर जैन

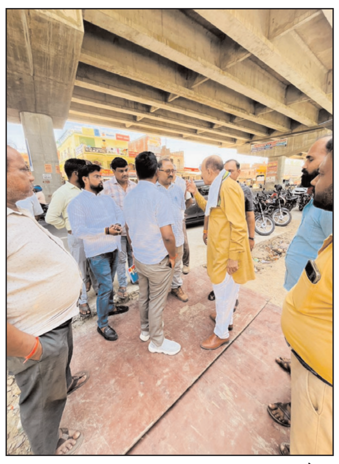

अनिरूद्ध राय तथा व्यापारी लाल सिंह राठौर, विशाल गुप्ता, राम बाबू साहू, संतोष गुप्ता, राकेश गुप्ता, गोपाल जायसवाल, अजय तिवारी, मुकुल सिंह, अनूप चौरसिया, सागर चौरसिया, सौरभ सिंह, अरविंद कुमार, रवि साहू, राहू साहू मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर में स्कूल चलो अभियान रैली का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तंबौर सीतापुर प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर विकास क्षेत्र बेहटा जनपद सीतापुर में स्कूल चलो अभियान रैली का हुआ आयोजन ।इस आयोजन में समस्त ग्राम पंचायत में स्कूल चलो अभियान रैली निकाल कर अभिभावकों और बच्चों को नवीन नामांकन के प्रति प्रेरित/जागरूक किया गया ।रैली को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जुनैद अहमद ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल से गांव की तरफ रवाना किया। रैली को आकर्षक बनाने के लिये कलरफुल स्लोगन, तख्ती, बैनर और झंडी का उपयोग किया गया। साउंड के द्वारा स्लोगन बच्चे व अध्यापक बोलते हुये गांव के व्यक्तियों को जागरूक किया। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक डॉ इन्द्रसेन सिंह ने कहा विभाग द्वारा दिये गए नवीन नामांकन के लक्ष्य को समय से प्राप्त करने में स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली बहुत ही कारगर सिद्ध होगी।

रैली से अभिभावकों और बच्चों में उत्साह बढ़ेगा और समय से नवीन नामांकन कराएंगे।इस मौके पर सहायक अध्यापक सोनू कुमार,नरेश कुमार नोडल शिक्षक संकुल, शिव प्रताप सिंह,रामकुमार वर्मा, सुशील पाण्डेय, शिक्षामित्र इजहार अहमद,, आंगनबाड़ी सुमन देवी, गुलनाज बानो, सहायिका गोमती देवी, अनीता देवी रामदुलारे यादव, एखलाख खान, प्रबंध समिति अध्यक्ष मोहम्मद अहमद, उपाध्यक्ष राम प्रताप मिश्र, व रसोइया सहित कई वरिष्ठ अभिभावक उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ की बैठक ए एन डी टीचर्स ट्रेनिंग पीजी कॉलेज में हुई संपन्न

सीतापुर लखनऊ विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ की बैठक ए एन डी टीचर्स ट्रेनिंग पीजी कॉलेज में संपन्न luacta सीतापुर इकाई की बैठक जोकि ए एन डी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज परिसर में आयोजित की गई, जिलाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने बताया की इसमें बड़ी संख्या में आर एम पी महाविद्यालय, हिन्दू कन्या महाविद्यालय, श्री गाँधी महाविद्यालय, ए एन डी कॉलेज के शिक्षक/शिक्षिका साथियों ने प्रतिभाग किया तथा अपने विचार रखे, बैठक बहुत सकारात्मक तरीके से सम्पन्न हुई, बैठक में विभिन्न बिन्दुओं क़ो नोट किया गया तथा विभिन्न महाविद्यालय इकाईयों क़ो जिला इकाई द्वारा आश्वस्त किया गया की इन बिन्दुओं क़ो विश्वविद्यालय इकाई और उसके माध्यम से विश्वविद्यालय और शासन क़ो लिखित रूप से अवगत कराया जाएगा और उचित समाधान हेतु पूरा प्रयास किया जाएगा, स्वस्थ संवाद की ये परम्परा आगे भी जारी रहेगी।

प्राथमिक विद्यालय सरैया बारासिंहा में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा निकली गई जागरूकता रैली

बिसवां/सीतापुर। प्राथमिक विद्यालय सरैयां बारासिंहा में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य क्षेत्र के अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करना रहा। रैली में बच्चों ने 'सब पढ़ें, सब बढ़ें', 'शिक्षा है अधिकार हमारा', 'हर घर से एक ही नारा, स्कूल जाए हर बच्चा हमारा' जैसे नारे लगाकर गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलायी। रैली विद्यालय परिसर से शुरू होकर गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः विद्यालय में समाप्त हुई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नूर बानो ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और सभी अभिभावकों को अपने बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराकर नियमित रूप से भेजना चाहिए। रैली में सहायक अध्यापक पवन कुमार, प्रिया, शिवेंद्र विश्वकर्मा, शिक्षा मित्र किरन देवी, रचना नंदा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री गुड़िया वर्मा, तथा रसोइया कलावती और श्यामा सहित विद्यालय परिवार का सहयोग रहा। इस मौके पर गांव के संभ्रांत लोग भी मौजूद रहे और उन्होंने स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

ईश वेलफेयर टीम द्वारा पॉल मर्सी होम में सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को ईश वेलफेयर टीम द्वारा पॉल मर्सी होम में आश्रित मानसिक रूप से विशेष (मंदित) महिलाओं एवं बच्चियों के बीच एक सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे टीम के सदस्यों एवं सहयोगी समाजसेवियों जितेंद्र सिंह, मनोज कुमार सिंह, गिरीश कुमार सिंह, मयंक सिंह, एस विर्दी, भैरव, आरती कपूर (उमा ज्वेलर्स), ज्योति खरे सिविल डिफेन्स, नूतन वर्मा, शिखा, रुची मिश्रा, एडवोकेट रिचा मिश्रा, पवन सिंह, जीत बहादुर पुरी, सुभाष चंद्र मिश्रा, शर्मा, कमल सेन, संजय वर्मा ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई तथा आवश्यक खाद्य सामग्री- 60 किलोग्राम आटा, 65 किलोग्राम चावल, 26 किलोग्राम दाल, 10 किलोग्राम सरसों तेल, 15 किलोग्राम भूना चना, 15 किलोग्राम चूरा, 15 किलोग्राम रवा, 10 किलोग्राम चीनी एवं 3 किलोग्राम नमकीन भेंट किया गया।

इसके अतिरिक्त बच्चियों एवं महिलाओं को बंद मक्खन, केले एवं फ्रूटी वितरित की गई, जिसे पाकर वे अत्यंत प्रसन्न एवं आनंदित दिखाई दीं। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भावुकता एवं सेवा भावना से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रभु का स्मरण कर सेवा का अवसर प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक जितेंद्र सिंह ने सभी सहयोगी समाजसेवियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, जिससे जरूरतमंदों के जीवन में मुस्कान लाई जा सके। इस अवसर पर सरिता सिंह नूतन वर्मा, जी एस विर्दी, अतुल सिंह श्रीनेत, संजय सिंह, असिस्टेंट सेल्टैक्स कमिश्नर, एडवोकेट रिचा मिश्रा उपाध्यक्ष निर्मल एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, पेंसनर क्लब से जीतबहादु पुरी, सुभाष चंद्र मिश्रा, शर्मा, सहित बहुत सारे समाज सेवी गण उपास्थित रहे।

कार्यकर्ता, कार्यक्रम और कार्यालय ही संगठन का आधारः विवेक शर्मा

● व्यापारियों ने वरिष्ठ व्यापारी की चौथी पुण्यतिथि पर दी विनम्र श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डलमऊ रायबरेली- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल इकाई डलमऊ के संगठन की वर्ष 2026 की पहली बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदामा साहू ने की।मुख्य अतिथि के भूमिका में जिला प्रभारी विवेक शर्मा,विशिष्ट अतिथि अप्पू शर्मा, शानू बाजपेई उपस्थित रहे। अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य ने सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। लगभग तीन घंटे चले इस कार्यक्रम में व्यापारियों ने मुख्य अतिथि के सामने अपनी मांगे राखी। व्यापार मंडल के इस कार्यक्रम में संगठन की कार्यकारिणी ,व्यापारियों की समस्या, कस्बे में लगने वाले जाम ,संगठन को प्रभावी बनाने के लिए प्रयास आदि कई मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मौजूद विवेक शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता कार्यक्रम और कार्यालय ही संगठन का आधार। संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की जाएगी। नगर प्रभारी रानू शर्मा हर महीने बैठक कराने का सुझाव दिया।जिसपर सभी उपस्थित लोगों की सहमति से प्रत्येक माह की 15 तारीख को मासिक बैठक तय की गई।

मुख्य अतिथि विवेक शर्मा ने सभी व्यापारियों की समस्या को सुना भी और जाम के कारण डलमऊ के चौपट हो चुके बाजार को जल्द से जल्द जाम से मुक्त करने के लिए बायपास की मांग की जाएगी ऐसा आश्वाशन भी दिया। मुकेश सोनी ने मजबूत संगठन की मांग की। बैठक में नई कार्यकारिणी पर विचार किया गया। जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्र ने कहा कि 'हम जब तक हम है तब तक हम में दम है' तथा डलमऊ में हो रही व्यापारी की कई समस्याओं को संगठन के सामने रखी। संगठन को मजबूती देने के लिए आशीष जायसवाल के कंधों पर युवा अध्यक्ष की जिम्मेदारी रखी गई।

व्यापार मंडल की बैठक में वरिष्ठ एवं सम्मानित सबके प्रिय व्यापारी राजेंद्र दादा(राजेंद्र होटल) की चौथी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रामगोपाल वैश्य ने बताया कि राजेंद्र दादा से हमेशा एक बड़े भाई के रूप में आशीर्वाद मिला। वो हमेशा हमारे मार्गदर्शक के रूप में प्रेरणा देते रहेंगे। बड़े बूढ़े हर कोई उनको प्यार से दादा कहता था और उन्होंने दादा होने फर्ज भी निभाया।हमारे दादा हमरे अभिमान है। जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्र ने बताया कि राजेंद्र दादा हम सबके प्रिय थे। उनका जाना डलमऊ के लिए कभी न भर पाने वाली क्षति है।

उनका पूरा जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा श्रोत है।क र्यक्रम में सरयू प्रसाद सोनकर, समरजीत जयसवाल, मोबाइल, टेशू दीक्षित, विनेश गुप्ता, संदीप गुप्ता, पथवारी शंकर, सुनील होंडा, राजन जयसवाल, मो सईद, दिनेश मौर्य,अरविंद अग्रवाल, संदीप मिश्रा, आदित्य यादव, आशुतोष गुप्ता, जितेंद्र यादव, ऋतिक जायसवाल, दीपू जायसवाल, पवन जयसवाल, बॉबी पंडित, राहुल गुप्ता(गोल्डी), संदीप अग्रहरि, सुनील गुप्ता(एडवोकेट), टीटू अग्रवाल, शक्तिमान वैश्य, तैयब चक्की, पप्पू पालेसर, मो जमील, मुन्ना फेब्रिकेशन, अन्य बड़ी संख्या सम्मानित व्यापारी गण मौजूद रहे।

दबंगों ने लाठी- डंडों और सरिया से हमला कर बुजुर्ग की हत्या, परिवार के अन्य तीन लोग गंभीर

● पांच आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर/जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के मदुवापुर गांव में 'घर में झांकने' के शक को लेकर हुए विवाद में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दबंगों ने लाठी-डंडों और सरिया से हमला किया। इस घटना में मृतक का बेटा, पत्नी और बहू भी गंभीर रूप से घायल हो गए। आत्माराम (65) पुत्र शिव पूजन रविवार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच अपने घर के सामने सड़क पार कर शौच के लिए जा रहा था । इसी दौरान पड़ोसी बाल गोविंद और उसके साथियों ने उन पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने आत्माराम पर लाठी, डंडे और लोहे की सरिया से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। पिता को बचाने पहुंचे पुत्र शशि कपूर वर्मा, पत्नी मुन्नी देवी और बहू पूजा देवी पर भी हमलावरों ने हमला किया। उन्हें भी मारपीट कर लहूलुहान कर दिया गया , जिससे एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित पक्ष ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। गंभीर रूप से घायल आत्माराम को परिजन खेसरहा के अस्पताल ले गए। रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के बेटे शशि कपूर वर्मा ने बताया कि इस घटना की वजह दिन में हुआ एक विवाद था। रविवार को उनकी मां मुन्नी देवी छत पर कुछ काम कर रही थी। नीचे उतरते समय पड़ोसी बाल गोविंद और उसके परिवार के सदस्यों ने उन पर आरोप लगाया कि वह उनके घर की तरफ झांक रही थी। इसी बात को लेकर गाली-गलौज हुई थी। हालांकि उस समय यह मामला शांत हो गया था, लेकिन रात में यह विवाद हिंसक रूप ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप आत्माराम की हत्या हुई। ग्रामीणों के अनुसार, करीब 10 दिन पहले भी दोनों परिवारों के बीच भूसा उड़कर पड़ोसी के घर पहुंचने को लेकर कहासुनी हुई थी। हालांकि उस समय मामला

ज्यादा नहीं बढ़ा, लेकिन अंदर ही अंदर तनाव रहा,जो आखिरकार इस जघन्य वारदात का कारण बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।इस मामले प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि बाल गोविंद, प्रकाश और सुनीता सहित अन्य के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। जिसमें दो बाल अपचारी शामिल हैं, उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि अन्य नाम सामने आते हैं, तो उन्हें भी मुकदमे में शामिल किया जाएगा।

जर्नलिस्ट प्रोटक्शन एसोसिएशन का पहला स्थापना दिवस 17 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन ने पत्रकार हितों की आवाज को मजबूती से उठाते हुए एक नई दिशा प्राप्त की है। उन्होंने न केवल पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्रता के मुद्दों को प्रमुखता से सामने रखा है, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करते हुए संगठन को सशक्त बनाने का कार्य भी किया है। उनके प्रयासों से पत्रकारों के अधिकारों के संरक्षण, कानूनी सहायता और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा और जागरूकता बढ़ी है। जर्नलिस्ट प्रोटक्शन एसोसिएशन आज उनके नेतृत्व में एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है, जो पत्रकारों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का काम कर रहा है। विवेक प्रताप सिंह की सोच और कार्यशैली ने संगठन को नई ऊर्जा दी है, जिससे पत्रकार समुदाय में विश्वास और एकजुटता की भावना मजबूत हुई है।

पुलिस ने,105 ग्राम अल्प्राजोलम के साथ तस्कर गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज के यमुनानगर जोन पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसओजी यमुनानगर जोन और थाना नैनी की संयुक्त पुलिस टीम ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 105.26 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम नशीला पाउडर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर इन्दलपुर पार्किंग के पास छापेमारी की गई। इस दौरान रिंकू वंशकार (32 वर्ष), निवासी त्रिवेणी नगर, थाना नैनी, को गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना नैनी में मुकदमा संख्या 186/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अल्प्राजोलम की बिक्री करता था और पहचान के लोगों को यह नशीला पदार्थ सप्लाई करता था।

उसने बताया कि उसे यह ड्रग एक

अज्ञात व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराई जाती थी।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी व अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।इस कार्रवाई में थाना नैनी पुलिस टीम और एसओजी यमुनानगर जोन की संयुक्त टीम शामिल रही, जिनकी सतर्कता और समन्वय से यह सफलता संभव हो सकी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा।

सिद्धार्थनगर में 120 फिट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, प्रेमिका से शादी करने के जिद पर, 2 घंटे चला हाई वोल्टेज ड्रामा

● घंटों की कोशिश के बाद पुलिस व परिजनों ने नीचे उतरवाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर/जिले के इटवा थाना क्षेत्र के पिपरा पठान (मुर्गिहवा) गांव के पास सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक 120 फुट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया और प्रेमिका से शादी की मांग को लेकर हंगामा करने लगा। करीब दो घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस और परिजनों के समझाने पर युवक नीचे उतरा। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के इंद्रीग्रांट गांव के टोला बक्शडीह निवासी विशाल चौहान (23) पुत्र रामदास का इटवा क्षेत्र की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक उसी युवती से विवाह करना चाहता था लेकिन किन्हीं कारणों से बात आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इसी बात से

आक्रोशित होकर वह सोमवार की सुबह अपने घर से करीब 10 किमी दूर पिपरा पठान गांव पहुंच गया और वहां लगे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया।

टॉवर के ऊपरी हिस्से पर बैठकर युवक ने साफ तौर पर कहा कि जब तक उसकी शादी संबंधित युवती से नहीं कराई जाएगी, वह नीचे नहीं उतरेगा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। थोड़ी देर में पुलिस भी पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम और युवक के परिजन उसे समझाने में जुट गए। मोबाइल फोन के जरिए लगातार उससे बातचीत की गई, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। करीब दो घंटे तक चले प्रयास के बाद आखिरकार युवक मान गया और टॉवर से नीचे उतर आया। नीचे उतरते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई , जहां उससे पूछताछ की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है और युवक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एक दुल्हन के लिए आ गए दो दूल्हेः बैंक्वेट हॉल के बाहर हो गया माहौल तनावपूर्ण, पुलिस आई तब जाकर हुआ ये फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अमरोहा शहर में रविवार को एक शादी समारोह उस वक्त चर्चा का विषय बन गया, जब एक ही दुल्हन के लिए दो अलग-अलग बरातें बैंक्वेट हॉल पहुंच गईं। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचकर मामला संभालना पड़ा। बाद में संभल से आई बरात दुल्हन को विदा करके ले गई। इसी दौरान परिजनों ने जल्दबाजी में बेटी का रिश्ता संभल निवासी दूसरे युवक से तय कर दिया और 12 अप्रैल को ही विवाह कराने की तैयारी कर ली। रविवार को कैलसा बाईपास स्थित एक बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह चल रहा था। दोपहर करीब दो बजे संभल से बरात पहुंची और निकाह की तैयारियां शुरू हो गईं। इसी बीच मुरादाबाद से पहले तय दूल्हा भी सेहरा बांधकर बरातियों के साथ मौके पर पहुंच गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। एक ही दुल्हन के लिए दो बरातें पहुंचने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दुल्हन से उसकी इच्छा जानी, जिस पर उसने अपने परिजनों की सहमति से संभल से आए दूल्हे

के साथ निकाह करने की बात कही। इसके बाद पुलिस मुरादाबाद से आए दूल्हे को अपने साथ कोतवाली ले गई, जहां उसे शाम तक बैठाए रखा गया, जबकि उसके बराती बाहर इंतजार करते रहे। उधर, निकाह की रस्म पूरी होने के बाद दुल्हन को लेकर संभल की बरात रवाना हो गई।

संक्षिप्त खबरें

गैस उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा

बिसवां (सीतापुर) सामाजिक कार्यकर्ता व अधिवक्ता अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने गैस उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शिखा शुक्ला को सौंपा। ज्ञापन में गैस बुकिंग के बाद 48 घंटे में होम डिलीवरी सुनिश्चित करने, 60 वर्ष से अधिक आयु के उपभोक्ताओं को लाइन में न लगाने, अनावश्यक एजेंसी चक्कर से मुक्ति दिलाने तथा प्रत्येक गैस एजेंसी पर सहायता केंद्र स्थापित करने की मांग की गई। इस दौरान अरुणेश अग्रवाल, तुषार शर्मा, प्रमोद मिश्रा व मनोज गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

घर का ताला तोड़कर लाखो की चोरी, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

नैनी प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के दूरवाणी नगर एडीए कालोनी निवासी पीएसी के रिटायर्ड सूबेदार के घर ताला तोड़कर चोरो ने लाखो के अभूषण,नकदी समेत कीमती सामानो पर हाथ साफ कर दिया, घटना की सूचना पर रविवार को पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की,फोरेंसिक टीम ने भी मौका मुआयना किया।प्राप्त जानकारी के मुताबिक दूरवाणी नगर में पीएसी के रिटायर्ड सूबेदार अनिल कुमार त्रिपाठी पुत्र स्व. जयनारायण त्रिपाठी एवं उनके बड़े भाई का परिवार मकान बनवाकर रहता है. इन दिनो वह स्वयं बेटे के पास गये हुए है और बड़े भाई गांव में है. इसी का फायदा उठाकर चोटों ने घर को निशाना बनाया। घर में सीसीटीवी कैमरा भी लगा है, जिसके साथ छेड़छाड़ व तोड़फोड़ भी की गयी, चोरी की जानकारी उन्हें पड़ोसियों के माध्यम से 12 अप्रैल को मिली, इसके बाद उनके करीबी रिस्तेदार अरविन्द कुमार पाण्डेय पुत्र जयशंकर पाण्डेय निवासी दूर्वाणी नगर एडीए कालोनी नैनी द्वारा पुलिस को तहरीर दी गयी, इसके बाद जांच पड़ताल के साथ पुलिस सक्रिय हुई। घटना में लाखो के जेवर, नगदी व कीमती सामान चोरी होने की बात कही जा रही है।

पुश्ता रोड का जाम होगा खत्म और फर्राटे भरेंगे वाहन, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने दी बड़ी राहत

पूर्वी दिल्ली। जिस पुश्ता रोड पर कभी दिन-रात जाम का स्थायी डेरा रहता था, जहां कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में घंटों लग जाते थे और पसीने छूट हाते थे, वहां अब एक्सप्रेसवे की तेज रफ्तार है। कभी लोगों ने सोचा भी नहीं था कि इस भीड़भाड़ और अव्यवस्था वाले रास्ते की जगह एक ऐसा आधुनिक मार्ग बनेगा, जो न सिर्फ समय बचाएगा बल्कि लाखों लोगों की जिंदगी को आसान बना देगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने यही कर दिखाया है। यह यमुनापार के पूर्वी व उत्तर-पूर्वी जिलो के लोगों के लिए सच्चे मायनों में लाइफलाइन बनकर उभरा है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से सबसे बड़ा बदलाव रोजमर्रा के सफर में देखने को मिल रहा है। पहले सीलमपुर, वेलकम और वजीराबाद जैसे इलाकों में जाम से जूझते हुए लोगों का काफी समय और ऊर्जा बर्बाद होती थी। आफिस जाने वाले, व्यापार करने वाले और रोजाना आवाजाही करने वाले लोग जाम से परेशान रहते थे। अब एक्सप्रेसवे के जरिए लोग सीधे आइटीओ, सेंट्रल दिल्ली और अन्य प्रमुख इलाकों तक तेजी से पहुंच सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ट्रैफिक का दबाव भी काफी हद तक कम होगा। देहरादून तक का जो सफर लगभग छह घंटे में पूरा होता था अब वह भी महज ढाई घंटे में पूरा हो पाएगा। पूर्वी दिल्ली से बागपत, सोनीपत और आसपास के इलाकों तक पहुंचना भी पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान और तेज हो गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा कहते हैं कि यह एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास का नया माध्यम भी बन रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण व्यापार, रियल एस्टेट और छोटे कारोबार को भी गति मिलने की उम्मीद है। साथ ही, उत्तराखंड जाने वाले पर्यटकों के लिए भी सफर अब पहले की तुलना में काफी आरामदायक और तेज हो जाएगा।

जयशंकर ने तेल सप्लाई पर किया बड़ा खेल, पाकिस्तान को फंसाया

● एस जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस मुलाकात को एक खास सम्मान बताया है। उन्होंने पीएम मोदी की तरफ से यूएई नेतृत्व को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के समय यूएई ने भारतीय लोगों को सुरक्षा और अच्छा ध्यान रखा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर का अचानक यूएई पहुंचना एक बड़ी राजनीतिक घटना थी। इस दौरे की टाइमिंग को लेकर चर्चा गर्म है कि आखिर एस जय शंकर का दौरा तनाव के वक्त क्यों हुआ और इसके पीछे का कूटनीतिक संदेश क्या है? एस जयशंकर का संयुक्त अरब अमीरात पहुंचना सिर्फ एक दौरा नहीं बल्कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत की बड़ी कूटनीतिक दांव माना जा रहा है। एस जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस मुलाकात को एक खास सम्मान बताया है। उन्होंने पीएम मोदी की तरफ से यूएई नेतृत्व को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के समय यूएई ने भारतीय लोगों को सुरक्षा और अच्छा ध्यान रखा है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत और यूएई के रिश्ते और मजबूत हो रहे हैं और इसे आगे बढ़ाने में यूएई की अहम भूमिका है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब स्टेट ऑफ हॉर्मोनस में तनाव बढ़ने से दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव की वजह इस समुद्री रास्ते को जहाजों का आनाजाना प्रभावित हुआ है। जिससे ऊर्जा आपूर्ति में दिक्कतें आ रही हैं। इस समस्या को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। पिछले कुछ हफ्तों में भारत ने तेल और गैस की सप्लाई को फिर से समान करने के लिए तेजी से काम किया है। इसके लिए भारत ने सऊदी अरब, क़तर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े तेल उत्पादकों देशों से सीधे बातचीत शुरू कर दी है। यानी एस जयशंकर देश में गैस और तेल की सप्लाई को बनाए रखने का ठोस रास्ता निकालने पहुंचे हैं। ताकि भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके।

स्टेट ऑफ हॉर्मोस के बंद होने पर तेल और गैस की सप्लाई जारी रह सके। मुमकिन है कि भारत बब अल मंदेव स्ट्रीट के रास्ते गल्फ ऑफ अडन रूट से तेल और गैस की सप्लाई जारी रखने की कोशिश कर रहा है। उधर जयशंकर के दौरे के बीच ही यूएई में पाकिस्तान को लेकर गहरी नाराजगी देखी गई है। अब इसे इत्तेफाकी कहा जा रहा है कि जयशंकर का दौरा हुआ और उसी वक्त ईरान को लेकर पाकिस्तान की नरमी का जमकर विरोध शुरू हो गया। यूएई के इन्फ्लुएंसरर अमजद ताहा के बयान भी चर्चे में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि भारत एक मजबूत और भरोसेमंद देश है। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाए हैं कि वह ईरान का समर्थन करता है और खाड़ी देशों के खिलाफ उसके रुख भी आलोचना नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा है कि पाकिस्तान की नीतियां भरोसेमंद बिल्कुल भी नहीं है और यह वो केवल अपने फायदे के लिए ही काम करता है। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने यूएई की नीति की तारीफ की है और कहा है कि यूएई अपनी सुरक्षा को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं करता। इन सभी बातों का समय इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह सब उस वक्त सामने आया है जब जयशंकर का यूएई दौरा चल रहा था। इससे यह साफ होता है कि इस समय दुनिया में कूटनीतिक, सुरक्षा और ऊर्जा से जुड़े मुद्दे एक साथ जुड़े हुए हैं।

नवागत कलेक्टर ने सम्हाला पद भार विभागों का निरीक्षण कर लिया बैठक

शहडोल उमरिया- आज उमरिया जिले के 20 वे कलेक्टर के रूप में श्री मती राखी सहाय ने शाम चार बजे पद भार ग्रहण किया, तत्पश्चात कलेक्टर परिसर में संचालित सभी विभागों का निरीक्षण किया। पद भार ग्रहण करने के पश्चात पत्रकारों से संक्षिप्त चर्चा करते हुए बताया की सरकारी योजनाओं की योजनाओं को असली जामा पहनाना, उन्हें वांछित हाथों तक पहुचाना मेरी प्राथमिकता है। उमरिया जिला आदिवासी क्षेत्र है,जहाँ पर काम करने की अपार संभावनायें है, मेरी कोशिश है कि जिला विकास के सोपान की ऊंचाइयों तक पहुंचे। श्रीमती राखी सहाय ने यह भी कहा कि आज ही मैं जिला स्तरीय बैठक कर विभाग वार विकास कार्यों की जानकारी लेकर प्राथमिकताये तय कर आगे की रणनीति तैयार की जायेगी, ताकि जिला विकास कार्यों अव्वल साबित हो सकें। आपने यह भी कहा कि जो विभाग अपने लक्ष्य में पीछे हैं, उन्हें आगे बढाने का काम किया जायेगा। नवागत कलेक्टर से जिले वासियों की उम्मीदे बढ गयी है, चूंकि उमरिया जिले में वर्तमान परिवेश में कानून व्यवस्था लचर होकर अराजकता की स्थिति से जुझ रहा था। अब नवागत कलेक्टर से उम्मीद बनी हुई है कि प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाते हुये जिले को व्यवस्थित रूप से चलायेगी।

'गीता-प्रसार का दिव्य संकल्प, आत्मबोध से लोककल्याण तक-प्रत्युश गुप्ता

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' श्रीमद्भगवद्गीता का यह दिव्य वचन केवल श्लोक नहीं, बल्कि जीवन का सार है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जब किसी साधारण मन में असाधारण संकल्प जन्म लेता है, तब वह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रह जाता वह लोकमंगल की दिशा में एक यज्ञ बन जाता है। ऐसा ही एक प्रेरणादायी उदाहरण है सुकीर्ति गुप्ता का, जिन्होंने आत्मज्ञान और भक्ति की ज्योति को जन-जन तक पहुँचाने का अद्भुत प्रयास किया। वर्ष 2022 में उनके अंतर्मन में एक विचार अंकुरित हुआ 'क्यों न धर्म और ज्ञान के इस अमृत स्रोत को अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाया जाए?' यह केवल एक विचार नहीं था, बल्कि संस्कार और साधना का प्रारंभ था। श्रीमद्भगवद्गीता के वितरण का यह संकल्प धीरे-धीरे एक आध्यात्मिक यात्रा में परिवर्तित हो गया। ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के उपदेशों से प्रेरित होकर उन्होंने समझा कि गीता का मूल उद्देश्य केवल शास्त्र पढ़ना नहीं, बल्कि स्वधर्म को पहचानते हुए कर्मयोग के मार्ग पर चलना है। प्रभुपाद जी का यह संदेश 'भगवान को अपने हृदय के केंद्र में स्थापित कर, निष्काम भाव से सेवा करना' उनके इस अभियान का मूल मंत्र बन गया। वर्ष 2023 से उन्होंने एक-एक कर इस दिव्य ग्रंथ को मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और यहाँ तक कि अनजान व्यक्तियों तक भी पहुँचाना प्रारंभ किया। यह केवल पुस्तकों का वितरण नहीं था, बल्कि चेतना का संचार था। जब यह ज्ञान समाज के विभिन्न वर्गों प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर जनसामान्य तक पहुँचा, तब यह प्रयास एक सामाजिक साधना का रूप लेने लगा। विशेष रूप से बच्चों के बीच गीता के श्लोक और कृष्ण-अर्जुन संवाद को सरल भाषा में प्रस्तुत करना उनके प्रयास का सबसे सुंदर पक्ष रहा। बालमन में जिज्ञासा और श्रद्धा का यह संगम भविष्य के एक सशक्त और संस्कारित समाज की नींव रखता है। लगभग दो वर्षों की निष्ठा , तप और समर्पण के पश्चात 2025 के अंत और 2026 के प्रारंभ तक 101 गीता ग्रंथों का वितरण पूर्ण हुआ। यह संख्या भले ही सीमित लगे, परंतु इसके पीछे छिपी भावना असीम है क्योंकि यह एक 'कृष्ण चेतना शतक' है, जो केवल गणना नहीं, बल्कि अनुग्रह का प्रतीक है। इस यात्रा का सार यही है कि जब कोई व्यक्ति निष्काम कर्म और भक्ति योग के पथ पर अग्रसर होता है, तब स्वयं श्रीकृष्ण उसकी हर बाधा को सरल बना देते हैं। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' इस सिद्धांत को जीवन में उतारते हुए सुकीर्ति गुप्ता ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें अपेक्षा नहीं, केवल समर्पण होता है। अंततः, यह प्रयास हमें भी प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में सत्य , धर्म और प्रेम को अपनाएँ तथा इस दिव्य ज्ञान को आगे बढ़ाएँ। हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ... यही महामंत्र न केवल आत्मा को शुद्ध करता है, बल्कि जीवन को परम शांति की ओर अग्रसर करता है।

बुढ़ार की बेटी डॉ. शिवानी सिंह को रीवा मेडिकल कॉलेज में स्वर्ण पदक, क्षेत्र में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढ़ार (शहडोल)। आदर्श कॉलोनी बुढ़ार की होनहार बिटिया डॉ. शिवानी सिंह ने चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल बुढ़ार बल्कि पूरे शहडोल जिले में हर्ष और गर्व का माहौल है। डॉ. शिवानी सिंह, जो कि बुढ़ार निवासी श्री केदार सिंह की सुपुत्री हैं, ने रीवा स्थित श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए यह सम्मान हासिल किया। उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि के साथ-साथ उच्च रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक से नवाजा गया। यह सम्मान उनकी वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

परिवार में भी इस उपलब्धि को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। डॉ. शिवानी के बड़े पापा श्री हनुमान सिंह और प्रतिष्ठित पर्यावरण सलाहकार श्री यशवंत सिंह की भतीजी होने के नाते उनकी इस सफलता ने पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है। परिवारजनों का कहना है कि शिवानी बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने हमेशा अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण रखा। डॉ. शिवानी की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने उन्हें और उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई है कि वे आगे भी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज की सेवा करेंगी। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे बुढ़ार क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

करेली हत्याकांडः इरफान गद्दी के हत्यारोपियों पर 25 हजार का इनाम घोषित

प्रयागराज। शहर के करेली थाना क्षेत्र में हुए चर्चित इरफान गद्दी हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी और उसके भाई राशिद दुर्रानी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, करेली इलाके में इरफान गद्दी की हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में कई टीमें गठित की गई थीं, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसी के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दोनों आरोपियों पर इनाम घोषित करने का निर्णय लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस टीम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार काम कर रही हैं। आसपास के जिलों में भी सूचना भेजी गई है, ताकि आरोपियों के संभावित ठिकानों पर नजर रखी जा सके। इनाम की घोषणा के बाद बढ़ी सख्ती इनाम घोषित होने के बाद पुलिस की कार्रवाई और तेज हो गई है।

बलिया में दोस्ती बनी दुश्मनीः प्रेम प्रसंग के विवाद में युवक को मारी 4 गोलियां, हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया के नरही थाना क्षेत्र के सोहांव गांव में रविवार रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां एक युवक को उसके ही दोस्तों ने गोली मार दी। घायल युवक की पहचान आर्यन यादव के रूप में हुई है, जो बिहार के बक्सर का निवासी बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने साजिश के तहत आर्यन को बक्सर से बलिया बुलाया। इसके बाद उसे मोटरसाइकिल से सोहांव गांव ले जाया गया, जहां अचानक उसके परिचितों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में आर्यन को चार गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल बलिया में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान आर्यन ने बताया कि उस पर हमला गर्लफ्रेंड से जुड़े विवाद के चलते किया गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि वारदात को अंजाम किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके करीबी दोस्तों ने ही दिया। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारी भी लगातार नजर बनाए हुए हैं। एएसपी कृपा शंकर ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अपर नगर मजिस्टेऊट-प्रथम दिग्विजय सिंह, अपर नगर मजिस्टेऊट-द्वितीय ठाकुर प्रसाद, अपर नगर मजिस्टेऊट-तृतीय हीरालाल सैनी एवं अपर नगर मजिस्टेऊट-चतुर्थ अविनाश सिंह के द्वारा सोमवार को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अपर नगर मजिस्टेऊट-प्रथम दिग्विजय सिंह के द्वारा* इमरजेंसी वार्ड के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। वाटर कूलर के बगल में गंदगी पाई गई। सफाई हेतु 10 कर्मचारियों की डयूटी निर्धारित है, परंतु मौके पर केवल 02 कर्मचारी कार्यरत मिले। सफाई सुपरवाइजर द्वारा मांगने पर डयूटी चार्ट उपलब्ध नहीं कराया गया। 02 जूनियर डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित मिले। 10 वेंटीलेटर क्रियाशील पाए गए तथा भर्ती मरीज संतुष्ट थे। वार्ड में साफ-सफाई की व्यवस्था पर्याप्त थी। पैथोलॉजी के निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन श्री रंजू बाबू उपस्थित मिले। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि पैथोलॉजी की समस्त जांच रिपोर्ट पर उनके द्वारा ही हस्ताक्षर किए जाते है, इस हेतु कोई चिकित्सक नियुक्त नहीं है। सीटी स्कैन कक्ष के निरीक्षण के दौरान प्रातः 10:05 बजे कक्ष बंद पाया गया। सीटी स्कैन के चिकित्सक डॉ0 हर्षिता मौके पर उपस्थित नहीं थी। कक्ष का संचालन मेडिकल कॉलेज के छात्र श्री हर्ष राय द्वारा किया जा रहा था। ट्रामा ऑर्था विभाग के निरीक्षण में प्रातः 10:30 बजे तक कोई चिकित्सक उपस्थित नहीं मिले। ओ0पी0डी0 रजिस्ट्रेशन के निरीक्षण में अत्यधिक भीड़ पाई गई। केवल 04 काउंटरों पर नवीन पर्चा बनाना एवं शुल्क जमा करने का कार्य हो रहा था। काउंटरों की संख्या बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। औषधि वितरण केन्द्र के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर पाए गए, परंतु कम्प्यूटराइज्ड एंट्री नहीं की जा रही थी। पूर्व निरीक्षण में औषधि वितरण में असमानता का उल्लेख था, जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उपस्थित फार्मासिस्ट श्री अनिल कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि वह अकेले कार्यरत है तथा कार्य का अत्यधिक बोझ होने के कारण कार्य सुचारू रूम से नहीं हो पा रहा हैं। निरीक्षण के दौरान 07 आक्सीजन पैनल चालू हालत में पाये गये। एक्सरे मशीन का कक्ष बंद पाया गया तथा सिटी स्कैन मशीन खराब होने के कारण कक्ष बंद पाया गया। सिटी स्कैन नई बिल्डिंग में हो रहा है, इसकी सूचना दरवाजें पर प्रदर्शित पायी गयी। ट्रामा सेंटर के प्रथम तल पर निरीक्षण के दौरान 09 मरीज भर्ती पाये गये। ट्रामा आईसीयू में भी 09 मरीज भर्ती पाये गये। 10 मानीटर और 06 वेंटिलेकर चालू हालत में पाये गये तथा दो वेंटीलेटर नॉट वर्किंग में बताया गया, जो अभी तक सही नहीं हुआ है। तीमारदारों के बैठने हेतु केवल 03 लोहे की बेंच है अन्य व्यवस्था नहीं है। ट्रामा सेंटर के द्वितीय तल में 18 मरीज दो कक्ष में भर्ती पाये गये। द्वितीय तल में पानी की व्यवस्था ठीक नहीं पायी गयी। साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गयी। नई बिल्डिंग में स्थित ओपीडी एक्सरे मशीन कक्ष में 10:22 बजे तक 13 मरीजों का एक्सरे, सीटी स्कैन कक्ष में 04 मरीजों का सीटी स्कैन हो चुका था। डायलिसिस कक्ष में 10 मरीजों का डायलिसिस होता पाया गया। निरीक्षण के समय ओपीडी कक्ष संख्या 01-यूरोलाजी, कक्ष संख्या-02-कार्डियो थेरपिक सर्जरी, कक्ष संख्या 03-न्यूरो सर्जरी, कक्ष संख्या 04-नेफ्रोलॉजी, कक्ष संख्या 05-कैंसर सर्जरी, कक्ष संख्या 06-एफएनएसी कक्ष, कक्ष संख्या-08 न्यूरोलाजी, कक्ष संख्या-09 प्लास्टिक सर्जरी, कक्ष संख्या-10 डाइटीशियन कक्ष में चिकित्सक उपस्थित मिले और उनके द्वारा मरीजों को देखा जा रहा था। नई बिल्डिंग के तृतीय तल पर स्थित एन0ए0सी0सी0 आई0सी0यू वार्ड में 08 मरीज भर्ती थे तथा 10 बेड इमरजेंसी के लिए अलग से रखे गये है। दवाईयों की पर्याप्त व्यवस्था पायी गयी। भू तल पर वाटर कूलर लगा है तथा एक बड़ा वाटर कूलर नई बिल्डिंग के बाहर पानी हेतु लगाया गया है। साफ-सफाई तथा तीमारदारों की बैठने की व्यवस्था उचित पायी गयी।

प्रातः 09:20 कार्डयोंलाजी विभाग, नियरोफिजिशियन विभाग, एमडी मेडीसिन विभाग, ईएनटी विभाग, डेंटिस विभाग, अर्थो विभाग सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मेडीसिन विभाग में डॉ0 अभिषेक द्विवेदी, स्किन डिपार्टमेंट में डॉ0 अमित शेखर तथा डॉ0 वैभव श्रीवास्तव अनुपस्थित मिले। पूछने पर बताया गया कि मीटिंग में है। साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी, परंतु और सुधार की आवश्यकता बतायी गयी। शौचालय, डस्टबिन, नाली की सफाई संतोषजनक पायी गयी। निरीक्षण के दौरान सिटी स्कैन, एक्सरे मशीन क्रियाशील पायी गयी। इमरजेंसी वार्ड के निरीक्षण में भर्ती मरीजों का समुचित देखभाल होते पाया गया। मरीजों के परिवारजनों द्वारा बताया गया कि अमृत फार्मेसी और जन औषधी में दवाईया उपलब्ध है एवं दवाईयों सही ढंग से वितरण किया जा रहा था।

चकबंदी कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी/जिला उप संचालक चकबंदी की अध्यक्षता में सोमवार दिनांक 13.04.2026 को NIC सभागार में चकबंदी कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी । बैठक में अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रारम्भ में जनपद में कुल 53 ग्राम चकबंदी प्रक्रियाधीन थे तथा 31 मार्च 2026 तक कुल 08 ग्रामों का धारा-52 का प्रस्ताव चकबंदी निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ को प्रेषित किया गया।

जिलाधिकारी/जिला उप संचालक चकबंदी महोदय के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में 35 वर्ष से लम्बित ग्राम राजेपुरमय सराय अरजानी तहसील फूलपुर के चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण कर धरा-52 का प्रस्ताव प्रेषित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा उक्त प्रशंसनीय कार्य के दृष्टिगत संबन्धित चकबंदी लेखपाल एवं चकबंदीकर्ता को प्रशस्ति प्रमाण प्रदान किया गया तथा पूरी पारदर्शिता एवं किसानों कि समस्यों को दूर करते हुए शेष ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया । चकबंदी वादो के निस्तारण में पुराने वादों को शीर्ष प्राथमिकता के स्तर पर निस्तारण किए जाने हेतु तथा प्रत्येक कार्य दिवस में पीठासीन अधिकारी को न्यायालय में बैठकर न्यायिक कार्य संपादित किए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उप संचालक चकबंदी विजय शर्मा, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी प्रयागराज संजीव कुमार, समस्त चकबंदी अधिकारीगण एवं समस्त सहयाक चकबंदी अधिकारीगण व सहायक पेशी कानूनगो उपस्थित रहे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई का सुनहरा मौका, जल्द शुरू होगा 'सेमेस्टर अवे प्रोग्राम'

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातक छात्रों को जल्द ही अपनी डिग्री के दौरान विदेश में एक सेमेस्टर पढ़ने का अवसर मिल सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क 2022 के तहत विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ सेमेस्टर अवे प्रोग्राम (एसएपी) शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्ताव को बुधवार को होने वाली अकादमिक काउंसिल (एसी) की बैठक में रखा जाएगा। यदि यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो शैक्षणिक सत्र 2022-23 से दाखिला लेने वाले छात्र तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर में विदेश जाकर पढ़ाई, रिसर्च, इंटर्नशिप या ट्रेनिंग कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के अनुसार छात्र विदेशी संस्थान में कम से कम 12 और अधिकतम 26 क्रेडिट अर्जित कर सकेंगे, जिन्हें उनकी डिग्री का हिस्सा माना जाएगा। डीयू के रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को अधिक शैक्षणिक लचीलापन और वैश्विक एक्सपोजर देना है। उन्होंने कहा कि यदि छात्र अपनी डिग्री की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं तो वे विदेश में प्रशिक्षण और इंटर्नशिप भी कर सकेंगे।

'गहरे दुख में', अमिताभ बच्चन ने आशा भोसले को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, बताया 'शाश्वत संगीत का विश्वकोश'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरों की मल्लिका आशा भोसले के निधन से न केवल संगीत जगत, बल्कि पूरे देश में शोक की लहर है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, जिन्होंने दशकों तक आशा ताई के जादुई सफर को करीब से देखा है, ने उन्हें बेहद भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की है। बिग बी ने इस क्षति को एक युग का अंत करार दिया है। आशा भोसले को शनिवार, 12 अप्रैल को सीने में इन्फेक्शन और थकान के कारण ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार दोपहर को उनका निधन हो गया; उनके बेटे आनंद भोसले ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उनका अंतिम संस्कार सोमवार को शिवाजी पार्क में होगा।

अमिताभ बच्चन ने आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी

बिग बी, जैसा कि उन्हें प्यार से बुलाया जाता है, ने अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखा, 'शोक और दुख।' उन्होंने आगे लिखा, 'एक पूरा युग... एक अविश्वसनीय... एक असाधारण, अद्भुत, विलक्षण हस्ती... कल खो गई... प्रतिष्ठित, दिग्गज आशा भोसले जी हमें छोड़कर चली गई... गहरे दुख में।'

उन्होंने आगे कहा, 'हर उस गीत में जान डालने की उनकी बहुमुखी प्रतिभा, जिसे उन्होंने अपनी आवाज़ दी... स्वर्ग सिधार गई... और हमारे लिए शाश्वत संगीत का एक पूरा विश्वकोश छोड़ गई... शरीर हमें छोड़कर चला गया... लेकिन उनकी आत्मा हमेशा हमारे साथ रहेगी... उनकी आवाज़ - उनकी आत्मा, हमेशा अमर रहेगी।' एक नज़र डालेंः दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का अंतिम संस्कार सोमवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में किया जाएगा, जिसकी रस्में शाम 4 बजे होंगी। उनका पार्थिव शरीर लोअर परेल स्थित उनके आवास पर रखा गया है, जहाँ परिवार के सदस्यों और

मनोरंजन जगत, खेल और राजनीति की हस्तियों - जिनमें नील नितिन मुकेश, मीना मंगेशकर, सचिन तेंदुलकर, तब्बू, आशा पारेख, जैकी श्रॉफ, जावेद अली और ए.आर. रहमान शामिल हैं - ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए वहाँ पहुँचकर दर्शन किए। उनके परिवार और उनका इलाज करने वाले डॉक्टरों के अनुसार, आशा भोसले का निधन रविवार, 12 अप्रैल को मुंबई में कई अंगों के काम करना बंद कर देने (मल्टीपल ऑर्गन फेलियर) के कारण हुआ। उनकी पोती ज़नाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर बताया कि इससे एक दिन पहले, सीने में इन्फेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।